भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, खंडवा रोड, इन्दौर-452001

फ़ाइल् क्रमांक. प्रेस नोट/प्रेस व पब्लिसिटी/2022/39

भाकृअनुप-आईआईएसआर की कार्यवाहक निदेशक, डॉ. खांडेकर, द्वारा किया गया महाराष्ट्र के विदर्भा क्षेत्रों का दौरा

"जय जवान, जय किसान" के नारे के साथ देश की सरकार सहित समस्त कृषि अनुसंधान परिवार किसानों के हित में समर्पण भाव से काम कर रहे है। इसी पहल के अंतर्गत भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर की कार्यवाहक निदेशक, डॉ नीता खांडेकर द्वारा 24 जून 2022 को विदर्भा क्षेत्र का दौरा किया गया, साथ ही उन्होंने नागपुर स्थित भा.कृ.अनु.प-एन.बी.एस.एस.एल.यू.पी के साथ चल रही संयुक्त परियोजना का भी अवलोकन किया। इस दौरे पर उन्होंने 25 जून 2022 को अखिल भारतीय समन्वित सोयाबीन अनुसंधान परियोजना के तहत डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, का दौरा किया। इस अवसर पर उनके साथ डॉ विलास खरहे, अनुसंधान निदेशक, पीडीकेवी, अकोला, महाराष्ट्र, डॉ वर्षा, स्टेशन प्रभारी, डॉ सतीश निकल एसीआईआरपी, अमरावती केंद्र इंचार्ज के साथ-साथ क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, अमरावती से सोयाबीन पर एसीआईआरपी के तहत वैज्ञानिक उपस्थित रहे। इस दौरे पर डॉ खांडेकर ने केंद्र पर हो रहे शोध की वर्तमान स्थिति और भविष्य की दिशा के बारे में चर्चा की साथ ही सोयाबीन फसल की कम उत्पादकता पर चिंता व्यक्त करते हुए, हाल ही में विकसित किस्मों को लोकप्रिय बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इसके नियंत्रण हेतु, उन्होंने गर्म, जैविक और अजैविक तनाव सहिष्णु किस्मों को विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। इसी श्रृंखला में उन्होंने अमरावती के गोपालपुर एवं पिपरी गांवों के किसानों के खेतों का भी दौरा किया तथा कृषि विकास के लिए कृषि कॉलेज अकोला, महाराष्ट्र के ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (आर.ए.डब्ल्यू.ई) द्वारा आयोजित कार्यक्रम के तहत किसानों और छात्रों के साथ भी चर्चा की। इसी क्रम में निदेशक महोदया द्वारा 27 जून 2022 को भारत सरकार द्वारा संचालित एस.सी.एस.पी. परियोजना के अंतर्गत केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर का दौरा किया गया, जिसके अंतर्गत उन्होंने सोयाबीन कृषकों द्वारा प्राप्त किये जा रहे लाभ के बारे में उपस्थित किसानों को बताया तथा उन्हें संबोधित कर नयी किस्मों एवं तकनीकों के बारे में जानकारी प्रदान की जिससे किसानों द्वारा इस योजना का पूर्ण रूप से लाभ उठाया जा सके।

....

क्रिष्णछाया

शेतकरी मार्गदर्शन केन्द्र
प्रा.सं.के.अमरावती.

अनुसूचित जाती उपयोजना अंतर्गत
प्रथम रेषीय प्रात्यक्षिक २०२२-२३
शेतकरी शास्त्रज्ञ संवाद
कृषि विज्ञान केंद्र

प्रथम रेषीय प्रात्यक्षिक २०२२-२३
शेतकरी शास्त्रज्ञ संवाद